विद्याभवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

विषय-सह-शैक्षणिक कार्य दिनांक-10/07/2020
वर्ग-तृतीय वर्ग-शिक्षिका— नीतू कुमारी

परियोजना कार्य

सुप्रभात बच्चों,

आज की परियोजना कार्य में आपको कविता दिया जा रहा है। हमें पूर्ण विश्वास है कि आप अध्ययन-सामग्री पूरे मनोयोग से पढ़ते होंगे। आज आप कविता पढ़ेंगे। जो कि इस प्रकार है:—-

बतूता का जूता

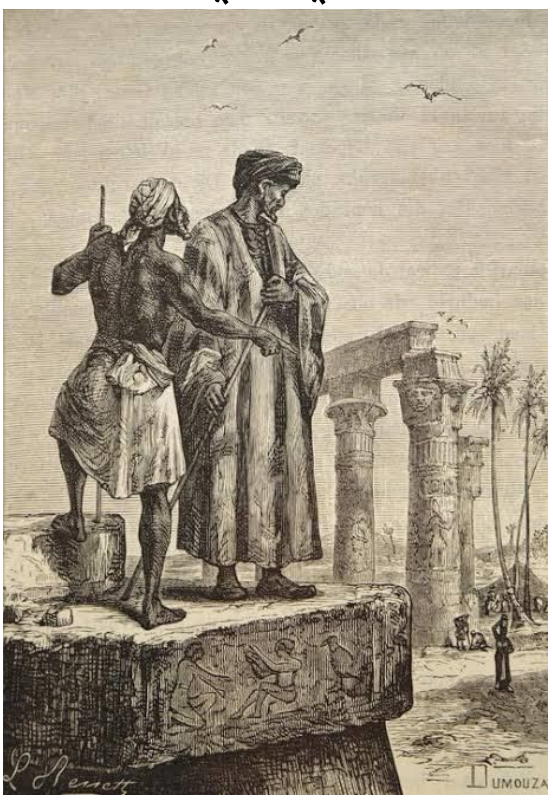

इब्न बतूता पहन के जूता
निकल पड़े तूफ़ान में,
थोड़ी हवा नाक में घुस गई
घुस गई थोड़ी कान में।
कभी नाक को, कभी कान को
मलते इब्न बतूता,
इसी बीच में निकल पड़ा
उनके पैरों का जूता
उड़ते -उड़ते जूता उनका
जा पहुँचा जापान में
इब्न बतूता खड़े रह गए
मोची की दुकान में!
—— सर्वेश्वरदयाल सक्सेना

बच्चों, इस कविता को अपनी उत्तर-पुस्तिका में शुद्ध-शुद्ध तथा सुंदर अक्षरों में लिखें एवं याद करें।